Bharat Temples

सत्य धर्म का नाश होरहा

सत्य धर्म का नाश हो रहा जार जार रोती है धरा
कलियुग का आतंक भयानक। आके मोहन देख जरा

कलीयुग में एक बार कन्हियाँ ग्वाल बन कर आओ रे,
आज पुकार करे तेरी गइयाँ आके कंठ लगाओ रे,
कलियुग में एकबार

जिनको मैंने दूध पिलाया वो ही मुझे सताते है,
चीयर फाड़ कर मेरे बेटे मेरा ही मॉस विकाते है,
अपनों के अभिशाप से मुझको आके आज बचाओ रे,
कलयुग में एक बार कन्हियाँ ग्वाल बन कर आओ रे

चाबुक से जब पीटी जाउ सेहन नहीं कर पाती मैं,
उबला पानी तन पर फेके हाय हाय चिलाती मैं,
बिना काल मैं तिल तिल मरती करुणा जरा दिखाओ रे,
कलयुग में एक बार कन्हियाँ ग्वाल बन कर आओ रे

काहे हम को मूक बनाया घुट घुट कर यु मरने को,
उस पर हाथ दिए न तूने अपनी रक्षा करने को,
भटक गई संतान हमारी रास्ता आके दिखाओ रे,
कलयुग में एक बार कन्हियाँ ग्वाल बन कर आओ रे

एक तरफ तो बच्छड़े मेरे अन धन को उपजाते है,

उसी अन्न को खाने वाले मेरा वध करवाते है,
हर्ष जरा तुम माँ के वध पे आके रोक लगाओ रे,
कलयुग में एक बार कन्हियाँ ग्वाल बन कर आओ रे

Hemkant jha प्यासा
9831228059
8789219298

Source: https://www.bharattemples.com/saty-dharm-ka-naash-horaaha/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw